Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **3**

A–113

B.A. (Part–I) Examination, 2023

PHILOSOPHY

Paper - I

(Indian Philosophy)

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

Section–A **(Marks : 2 × 10 = 20)**

Note :– Answer all *ten* questions (Answer limit **50** words). Each question carries **2** marks.

(खण्ड–अ) **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

Section–B **(Marks : 8 × 5 = 40)**

Note :– Answer any *five* questions out of seven (Answer limit **200** words). Each question carries **8** marks.

(खण्ड–ब) **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

Section–C **(Marks : 20 × 2 = 40)**

Note :– Answer any *two* questions out of four (Answer limit **500** words). Each question carries **20** marks.

(खण्ड–स) **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

Section–A

(खण्ड–अ)

1. (i) Philosophy

दर्शनशास्त्र

(ii) Rta

ऋत

(iii) Mahavrata

महाव्रत

(iv) Momentorines

क्षणिकवाद

(v) Vyapti

व्याप्ति

(vi) Padartha

पदार्थ

(vii) Kaivalya

कैवल्य

(viii) Chittavritti

चित्तवृत्ति

(ix) Saguna and Nirguna Brahman

सगुण एवं निर्गुण ब्रह्म

(x) Vivartavad

विवर्तवाद

Section–B

(खण्ड–ब)

2. Explain general characteristics of Indian Philosophy.

भारतीय दर्शन की सामान्य विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

3. Explain the Metaphysics of Charvaka Darshan.
चार्वाक दर्शन की तत्वमीमांसा की व्याख्या कीजिए।

4. Discuss the 'Syadvada' of Jain Philosophy.
जैन दर्शन के 'स्याद्वाद' की विवेचना कीजिए।

5. Explain the nature and types of Perception according to Nyaya.
न्याय के अनुसार प्रत्यक्ष के स्वरूप एवं प्रकारों की व्याख्या कीजिए।

6. Sanyog and Samavaya.
संयोग और समवाय।

7. Describe the nature and proofs of the existence of 'Prakriti' given by Sankhya.
सांख्य के अनुसार 'प्रकृति' के स्वरूप तथा उसके अस्तित्व के प्रमाणों की व्याख्या कीजिए।

8. Three grades of Satta in Advaita Vadanta.
अद्वैत वेदान्त में सत्ता के तीन स्तर।

Section–C

(खण्ड–स)

9. Explain the Epistemology of Charvaka Darshan.
चार्वाक दर्शन की ज्ञानमीमांसा की व्याख्या कीजिए।

10. Explain the concept of 'Dravya' in 'Jainism'.
'जैन दर्शन' के 'द्रव्य' के प्रत्यय को स्पष्ट कीजिए।

11. Explain 'the concept of God' in Nyaya Philosophy.
न्याय दर्शन में 'ईश्वर की अवधारणा' को स्पष्ट कीजिए।

12. Explain the concept of 'Bondage and Liberation' in Shankar Darshan.
शंकर के दर्शन में 'बंधन और मोक्ष' के प्रत्यय को समझाइए।